NEWS CLIPPING:18.07.2023

THE IMPRESSIVE TIMES

Haryana Governor called upon to prioritize NEP-2020 implementation

Haryana Governor inaugurated two Student-Centric Projects at J.C. Bose University

Navin Dhamija
info@impressivetimes.com

HARYANA GOVERNOR BANDARU DATTATRAYA TODAY EMPHASIZED THE SIGNIFICANCE OF EFFECTIVELY IMPLEMENTING THE NATIONAL EDUCATION POLICY-2020 AND ITS POSITIVE IMPACT ON PROMOTING SKILL DEVELOPMENT AND EMPLOYABILITY OF STUDENTS. HE CALLED UPON THE HIGHER EDUCATIONAL INSTITUTIONS IN HARYANA TO PRIORITIZE THE POLICY'S IMPLEMENTATION

BADHKHAL/FARIDABAD : Haryana Governor Shri Bandaru Dattatraya today emphasized the significance of effectively implementing the National Education Policy-2020 and its positive impact on promoting skill development and employability of students. He called upon the Higher Educational Institutions in Haryana to prioritize the policy's implementation. Shri Dattatraya was addressing the Inauguration Ceremony at J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, today. The Governor dedicated two student-centric projects in the University, with a total investment of over Rs 30 crore. Haryana Higher Education Minister, Shri Moolchand Sharma was the chief guest in the program, while Additional Chief Secretary of Higher Education, Government of Haryana, Shri Anand Mohan Sharan was present as the guest of honour. In his address, Governor Shri Dattatraya emphasized the significance of J.C. Bose University as a prestigious educational institution in the State. He commended the university's commitment to enhancing higher education opportunities for students through the implementation of new projects. The Governor acknowledged the commendable efforts made by the university in expanding its infrastructural facilities in recent years. Furthermore, he expressed his satisfaction with the University's focus on promoting research, innovation, and entrepreneurship. Addressing the Program, Vice Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar welcomed the distinguished guests, and apprised the Governor about the initiative taken by the University for the implementation of NEP-2020. He said that the University has introduced three and four-year undergraduate degree programs, aligned with the provisions of NEP-2020, allowing students to opt for a minor degree program along with the major discipline and the flexibility of Multiple Entry and Exit options. Referring to the expansion and future plans of the University, Vice Chancellor Prof. Tomar said that the University administration is making continuous efforts for the expansion of the second campus of the University to be built on the Gurugram-Faridabad road. In this regard, permission has been sought from the Forest Department for initiating construction activities, which is awaited. He said that the second campus is the main focus of the future plans of the University, in which the University plans to introduce new programs on advanced technology, interdisciplinary courses and research programs. In addition to this, the University is also working on a project to construct a new multi-storied hostel with a capacity of about 800 students in place of the old boys' hostel in the existing campus. Elaborating the initiatives taken by the University for promoting girl child education and student welfare, the Vice-Chancellor said that the University has ensured 25 percent horizontal reservation in admission for girl students and one seat each for a single girl child in all the courses conducted at the University level. Apart from this, the University has decided to start a Research Journal by the name of J.C Bose Journal of Science and Engineering. At the end of the program, the Registrar, Dr. Sunil Kumar Garg expressed his gratitude and proposed a vote of thanks, acknowledging the presence and support of all dignitaries and participants. The function was also addressed by Faridabad MLA Mr. Narendra Gupta, Badkhal MLA Mrs. Seema Trikha, Tigaon MLA Mr. Rajesh Nagar. The Vice Chancellor of Gurugram University Prof. Dinesh Kumar, Vice Chancellor of Shri Vishwakarma Skill University Shri Raj Nehru, and eminent members of the University's Alumni Association were also present.

NEWS CLIPPING:18.07.2023

AAJ SAMAJ

जेसी बोस विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर देना होगा ध्यान: बंडारू दत्तात्रेय

- विश्वविद्यालय में 30 करोड़ रुपए लागत की दो छात्र-केन्द्रित परियोजनाओं का किया लोकार्पण

संदीप पराशर

फरीदाबाद। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह नीति विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार पाने की संभावनाओं को बढ़ावा देती है। इसलिए, हरियाणा के शिक्षण संस्थानों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय सोमवार को जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में आयोजित लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय में लगभग 30 करोड़ रुपये लागत की दो छात्र-केन्द्रित परियोजनाओं का लोकार्पण किया। समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय प्रदेश का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है और विश्वविद्यालय में नई परियोजनाएं विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को सुविधाजनक बनायेंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने हाल के वर्षों में ढांचागत सुविधाओं में विस्तार किया है, जोकि एक सराहनीय पहल है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, इनोवेशन और उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहा है।

उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा औद्योगिक सहभागिता तथा सामाजिक सरोकार के लिए किये जा रहे कार्यों की भी सराहना की। राज्यपाल द्वारा जिन दो नई परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, उनमें से एक बहुमंजिला बालिका छात्रावास है, जिसका नाम भारत की पहली महिला इंजीनियर ए. ललिता के नाम पर रखा गया है। इस बहुमंजिला

जेसी बोस विश्वविद्यालय में कृष्णा भवन- जलपान गृह एवं छात्र गतिविधि केन्द्र का लोकार्पण करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय। आज समाज

भवन में 83 कमरें है, जिसमें छात्राओं के लिए आवासीय सुविधाओं के साथ-साथ चीफ हॉस्टल वार्डन कार्यालय, विजिटर रूम तथा अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है।

दूसरी परियोजना जलपान गृह एवं छात्र गतिविधि केन्द्र है, जिसका नाम भगवान श्री कृष्ण के नाम पर रखा गया है। इस बहुमंजिला भवन में कैंटीन, छात्रों के लिए मैस, छात्र क्लबों के लिए व्यवस्था के साथ-साथ छात्र पंजीकरण, छात्रवृत्ति एवं छात्रों से जुड़ी अन्य कल्याणकारी योजनाओं को एक छत के नीचे लाया गया है ताकि विश्वविद्यालय में छात्रों को सुविधाजनक व्यवस्था प्रदान की जा सके। समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने राज्यपाल को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय द्वारा आगामी सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप तीन और चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम की शुरूआत की गई है, जिससे विद्यार्थियों को मुख्य डिग्री के साथ-साथ चुनिंदा विषयों में माइनर डिग्री करने तथा मल्टीपल एंट्री व एग्जिट विकल्पों की सुविधा मिलेगी। विश्वविद्यालय के विस्तार एवं भावी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि गुरूग्राम-फरीदाबाद मार्ग पर बनने वाले विश्वविद्यालय के दूसरे कैंपस विस्तार के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन निरंतर प्रयासरत है।

इससे पहले, समारोह के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा आनंद मोहन शरण ने विश्वविद्यालय द्वारा एनईपी-2020 के प्रावधानों के अनुरूप शुरू किए गए माइनर डिग्री पाठ्यक्रमों की सूचना पुस्तिका का विमोचन भी किया। समारोह के अंत में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। समारोह को संबोधित करते हुए आनंद मोहन शरण ने कहा कि हरियाणा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जा रहा है। केन्द्र सरकार ने 2030 तक देश में एनईपी-2020 को लागू करने का लक्ष्य रखा है, लेकिन हरियाणा ने इसे वर्ष 2025 तक लागू करने की पहल की है। उन्होंने कहा कि यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि वर्ष 2024 के अकादमिक सत्र से प्रदेश में एनईपी-2020 का 70 प्रतिशत क्रियान्वयन हो जावेगा।

जेसी बोस विश्वविद्यालय को नई परियोजनाओं के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि फरीदाबाद की तरक्की और इस विश्वविद्यालय की तरक्की परस्पर जुड़ी हुई है। समारोह को फरीदाबाद विधायक नरेन्द्र गुप्ता, बड़खल विधायिका सीमा त्रिखा, तिगांव विधायक राजेश नागर ने भी संबोधित किया। समारोह में गुरूग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू तथा विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ के प्रतिष्ठित सदस्य भी उपस्थित थे।

NEWS CLIPPING:18.07.2023

AMAR UJALA

राज्यपाल ने दो परियोजनाओं का किया लोकार्पण

कहा- छात्र केंद्रित नई योजनाएं उच्च शिक्षा को सुविधाजनक बनाएंगी

संवाद न्यूज एजेंसी

फरीदाबाद। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह नीति विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार पाने की संभावनाओं को बढ़ावा देती है, इसलिए हरियाणा के शिक्षण संस्थानों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

राज्यपाल सोमवार को जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद में आयोजित लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय में लगभग 30 करोड़ रुपये लागत की दो छात्र-केन्द्रित परियोजनाओं का लोकार्पण किया। राज्यपाल ने कहा कि जेसी बोस विश्वविद्यालय प्रदेश का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है और विश्वविद्यालय में नई परियोजनाएं विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को सुविधाजनक बनाएंगी। संस्थान ने हाल के वर्षों में ढांचागत सुविधाओं में विस्तार किया है, जोकि एक सराहनीय पहल है।

लोकार्पण करते हरियाणा के राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय। संवाद

उन्होंने प्रसन्नता जताई कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, इनोवेशन और उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहा है। राज्यपाल द्वारा जिन दो नई परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, उनमें से एक बहुमंजिला बालिका छात्रावास है। जिसका नाम भारत की पहली महिला इंजीनियर ए. ललिता के नाम पर रखा गया है। बहुमंजिला भवन में 83 कमरें है। जिसमें छात्राओं के लिए आवासीय सुविधाओं के साथ-साथ चीफ हॉस्टल वार्डन कार्यालय तथा जरूरी व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। दूसरी परियोजना जलपान गृह एवं छात्र गतिविधि केन्द्र है, जिसका नाम भगवान श्री कृष्णा के नाम पर रखा गया है। इस बहुमंजिला भवन में कैंटीन, छात्रों के लिए मैस, छात्र क्लबों के लिए व्यवस्था व अन्य जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई गई है।

NEWS CLIPPING:18.07.2023

DAINIK BHASKAR

नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर देना होगा ध्यान : बंडारू दत्तात्रेय

विवि में दो परियोजनाओं का किया लोकार्पण

फरीदाबाद | जेसी बोस विश्वविद्यालय में आयोजित लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय।

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार पाने की संभावनाओं को बढ़ावा देती है। इसलिए हरियाणा के शिक्षण संस्थानों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। राज्यपाल सोमवार को जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित लोकार्पण समारोह में शिरकत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय में लगभग 30 करोड़ की लागत से दो परियोजनाओं का लोकार्पण किया। समारोह में उच्च शिक्षामंत्री मूलचंद शर्मा व अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण भी मौजूद थे। इस दौरान राज्यपाल ने जिन दो नई परियोजनाओं का लोकार्पण किया, उनमें एक बहुमंजिला बालिका छात्रावास है। जिसका नाम भारत की पहली महिला इंजीनियर ए. ललिता के नाम पर रखा गया है। इस बहुमंजिला भवन में 83 कमरे हैं। दूसरी परियोजना जलपान गृह एवं छात्र गतिविधि केंद्र है, जिसका नाम भगवान श्री कृष्णा के नाम पर रखा गया है। इस बहुमंजिला भवन में कैंटीन, छात्रों के लिए मैस, छात्र क्लबों के लिए व्यवस्था के साथ-साथ छात्र पंजीकरण, छात्रवृत्ति एवं छात्रों से जुड़ी अन्य कल्याणकारी योजनाओं को एक छत के नीचे लाया गया है।

NEWS CLIPPING:18.07.2023

HADOTI ADHIKAR

हरियाणा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर देना होगा ध्यान : दत्तात्रेय

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में 30 करोड़ रुपये की दो परियोजनाओं का किया लोकार्पण

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 17 जुलाई। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह नीति विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार पाने की संभावनाओं को बढ़ावा देती है। इसलिए, हरियाणा के शिक्षण संस्थानों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय आज जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में आयोजित लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय में लगभग 30 करोड़ रुपये लागत की दो छात्र-केन्द्रित परियोजनाओं का लोकार्पण किया। समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आनंद मोहन शरण ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय प्रदेश का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है और विश्वविद्यालय में नई परियोजनाएं विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को सुविधाजनक बनायेंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने हाल के वर्षों में ढांचागत सुविधाओं में विस्तार किया है, जोकि एक सराहनीय पहल है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, इनोवेशन और उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा औद्योगिक सहभागिता तथा सामाजिक सरोकार के लिए किये जा रहे कार्यों की भी सराहना की। राज्यपाल द्वारा जिन दो नई परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, उनमें से एक बहुमंजिला बालिका छात्रावास है, जिसका नाम भारत की पहली महिला इंजीनियर ए. ललिता के नाम पर रखा गया है। इस बहुमंजिला भवन में 83 कमरें है, जिसमें छात्राओं के लिए आवासीय सुविधाओं के साथ-साथ चीफ हॉस्टल वार्डन कार्यालय, विजिटर रूम तथा अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। दूसरी परियोजना जलपान गृह एवं छात्र गतिविधि केन्द्र है, जिसका नाम भगवान श्री कृष्णा के नाम पर रखा गया है। इस बहुमंजिला भवन में कैंटीन, छात्रों के लिए मैस, छात्र क्लबों के लिए व्यवस्था के साथ-साथ छात्र पंजीकरण, छात्रवृत्ति एवं छात्रों से जुड़ी अन्य कल्याणकारी योजनाओं को एक छत के नीचे लाया गया है ताकि विश्वविद्यालय में छात्रों को सुविधाजनक व्यवस्था प्रदान की जा सके।

NEWS CLIPPING:18.07.2023

HINDUSTAN

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में दो परियोजनाओं का लोकार्पण किया

नई शिक्षा नीति छात्रों के रोजगार की संभावना बढ़ाएगी: राज्यपाल

संबोधन

30 करोड़ रुपये लागत से बनकर तैयार हुई परियोजनाएं

83 कमरों का बहुमंजिला बालिका छात्रावास बनाया जा रहा

03 और चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम की शुरुआत की गई

फरीदाबाद, वरिष्ठ संवाददाता। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में आयोजित लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह नीति विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार पाने की संभावनाओं को बढ़ावा देती है। इसलिए, हरियाणा के शिक्षण संस्थानों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में लगभग 30 करोड़ रुपये लागत की दो परियोजनाओं का लोकार्पण किया। समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राज्यपाल ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय प्रदेश का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है और विश्वविद्यालय में नई परियोजनाएं विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को सुविधाजनक बनायेंगी।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने हाल के वर्षों में ढांचागत सुविधाओं में विस्तार किया है, जोकि एक सराहनीय पहल है। दो परियोजनाओं में से एक बहुमंजिला बालिका छात्रावास है, जिसका नाम भारत की पहली महिला इंजीनियर ए ललिता के नाम पर रखा गया है। इसमें 83 कमरें है, जिसमें छात्राओं के लिए आवासीय सुविधाओं के साथ चीफ हॉस्टल वार्डन कार्यालय सहित अन्य सुविधाआ भी मिलेगी।

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस यूनिवर्सिटी में सोमवार को कार्यक्रम को संबोधित करते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय। • हिन्दुस्तान

गुरुग्राम में जल्द संचालित होगा दूसरा कैंपस

विश्वविद्यालय के विस्तार एवं भावी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि गुरुग्राम-फरीदाबाद मार्ग पर बनने वाले विश्वविद्यालय के दूसरे कैंपस विस्तार के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि दूसरा कैंपस विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं का प्रमुख केन्द्र बिन्दु है, जिसमें विश्वविद्यालय की योजना नई प्रौद्योगिकी एवं इंटर-डिसिप्लनरी के पाठ्यक्रमों तथा शोध कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की है। कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने राज्यपाल को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आगामी सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप तीन और चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम की शुरूआत की गई है, जिससे विद्यार्थियों को मुख्य डिग्री के साथ-साथ चुनिंदा विषयों में माइनर डिग्री करने तथा मल्टीपल एंट्री और एग्जिट विकल्पों की सुविधा मिलेगी।

छात्राओं को 25% आरक्षण

बालिका शिक्षा एवं छात्र कल्याण को लेकर विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही पहल पर कुलपति ने कहा कि छात्राओं के लिए दाखिले में 25 प्रतिशत हॉरिजोंटल आरक्षण सुनिश्चित किया है तथा सभी पाठ्यक्रमों में सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए एक-एक सीट का प्रावधान किया है। विश्वविद्यालय ऐसी व्यवस्था बना रहा है कि कोई भी बच्चा धन के आभाव में शिक्षा से वंचित न रहे।

70% तक नई शिक्षा नीति लागू

समारोह को संबोधित करते हुए अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने कहा कि हरियाणा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जा रहा है उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के अकादमिक सत्र से प्रदेश मे एनईपी-2020 का 70 प्रतिशत क्रियान्वयन हो जायेगा। जे.सी. बोस विश्वविद्यालय को नई परियोजनाओं के लिए बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि फरीदाबाद की तरक्की और इस विश्वविद्यालय की तरक्की परस्पर जुड़ी हुई है।

NEWS CLIPPING:18.07.2023

DAINIK JAGRAN

राज्यपाल ने परियोजनाओं का किया लोकार्पण

जेसी बोस विश्वविद्यालय में श्री कृष्णा भवन जलपान गृह एवं छात्र गतिविधि केंद्र का लोकार्पण करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय। साथ में हरियाणा के उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.एसके तोमर, अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, कुलसचिव डा.सुनील कुमार गर्ग तथा अन्य • सौ.यूनिवर्सिटी पीआरओ

जागरण संवादाता, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी में सोमवार को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने 30 करोड़ रुपये की लागत वाली छात्र केंद्रित दो परियोजनाओं का लोकार्पण किया। समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा मुख्य अतिथि तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिन दो नई परियोजनाओं का लोकार्पण हुआ, उनमें एक बहुमंजिला बालिका छात्रावास है, जिसका नाम भारत की पहली महिला इंजीनियर ए.ललिता के नाम पर रखा गया है। भवन में 83 कमरें है, जिसमें छात्राओं के लिए आवासीय सुविधाओं के साथ चीफ हास्टल वार्डन कार्यालय, विजिटर रूम आदि का प्रावधान किया गया है। दूसरी परियोजना जलपान गृह एवं छात्र गतिविधि केंद्र है, जिसका नाम भगवान कृष्ण के नाम पर रखा गया है। उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च शिक्षा आनंद मोहन शरण ने विवि द्वारा एनईपी-2020 के प्रावधानों के अनुरूप शुरू किये माइनर डिग्री पाठ्यक्रमों की सूचना पुस्तिका का विमोचन भी किया। अंत में कुलसचिव डा.सुनील गर्ग ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

NEWS CLIPPING:18.07.2023

NAVBHARAT TIMES

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में दो परियोजनाएं छात्रों को समर्पित

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में सोमवार को दो परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने की। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

यूनिवर्सिटी परिसर में बने लड़कियों के हॉस्टल का उद्घाटन किया गया, जिसका नाम भारत की पहली महिला इंजीनियर ए. ललिता के नाम पर रखा गया है। इस भवन में 83 कमरे हैं। छात्राओं के लिए आवासीय सुविधाओं के साथ-साथ चीफ हॉस्टल वॉर्डन कार्यालय, विजिटर रूम व अन्य जरूरी सुविधाएं हैं।

जलपान गृह एवं छात्र गतिविधि केंद्र का लोकार्पण करते हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

जलपान गृह व छात्र गतिविधि केंद्र का उद्घाटन किया गया, जिसका नाम भगवान कृष्ण के नाम पर रखा गया है। दोनों परियोजनाएं लगभग 30 करोड़ रुपये में तैयार हुई हैं।

सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए एक-एक सीट का प्रावधान : राज्यपाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति छात्रों के कौशल प्रशिक्षण व रोजगार पाने की संभावनाओं को बढ़ाने का काम करेगी। इसे बेहतर तरीके से लागू करने पर ध्यान देना होगा।

मूलचंद शर्मा ने कहा कि यूनिवर्सिटी को एक शिक्षण संस्थान के रूप में उन्होंने बचपन से देखा है और इस संस्थान से उनका एक अलग जुड़ाव रहा है।

कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार ने कहा कि गुड़गांव-फरीदाबाद रोड पर बनने वाले यूनिवर्सिटी के दूसरे कैंपस विस्तार के लिए हम लगातार प्रयासरत हैं। यूनिवर्सिटी स्तर पर संचालित सभी कोर्स में सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए एक-एक सीट का प्रावधान किया है। आनंद मोहन शरण ने कहा कि साल 2024 के अकादमिक सत्र से प्रदेश में नई शिक्षा नीति को 75 प्रतिशत लागू कर दिया जाएगा। मौके पर विधायक सीमा त्रिखा, राजेश नागर, गुड़गांव यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार आदि मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING:18.07.2023

PIONEER

हरियाणा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन पर देना होगा ध्यान : बंडारू दत्तात्रेय

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

विश्वविद्यालय में 30 करोड़ की लागत से छात्र केंद्रित परियोजनाओं का किया लोकार्पण

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह नीति विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार पाने की संभावनाओं को बढ़ावा देती है। इसलिए, हरियाणा के शिक्षण संस्थानों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

राज्यपाल जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में आयोजित लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय में लगभग 30 करोड़ रुपये लागत की दो छात्र-केंद्रित परियोजनाओं का लोकार्पण किया। समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जेसी बोस विश्वविद्यालय प्रदेश का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है और विश्वविद्यालय में नई परियोजनाएं विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को सुविधाजनक बनाएंगी।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने हाल के वर्षों में ढांचागत सुविधाओं में विस्तार किया है, जोकि एक सराहनीय पहल है।

उन्होंने प्रसन्नता जताई कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, इनोवेशन और उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा औद्योगिक सहभागिता तथा सामाजिक सरोकार के लिए किये जा रहे कार्यों की भी सराहना की।

राज्यपाल द्वारा जिन दो नई परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, उनमें से एक बहुमंजिला बालिका छात्रावास है, जिसका नाम भारत की पहली महिला इंजीनियर ए ललिता के नाम पर रखा गया है। इस बहुमंजिला भवन में 83 कमरे हैं, जिसमें छात्राओं के लिए आवासीय सुविधाओं के साथ-साथ चीफ हॉस्टल वार्डन कार्यालय, विजिटर रूम तथा अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। दूसरी परियोजना जलपान गृह एवं छात्र गतिविधि केंद्र है, जिसका नाम भगवान श्री कृष्ण के नाम पर रखा गया है। इस बहुमंजिला भवन में कैंटीन, छात्रों के लिए मैस, छात्र क्लबों के लिए व्यवस्था के साथ-साथ छात्र पंजीकरण, छात्रवृत्ति एवं छात्रों से जुड़ी अन्य कल्याणकारी योजनाओं को एक छत के नीचे लाया गया है, ताकि विश्वविद्यालय में छात्रों को सुविधाजनक व्यवस्था प्रदान की जा सके।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने राज्यपाल को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय द्वारा आगामी सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप तीन और चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम की शुरुआत की गई है, जिससे विद्यार्थियों को मुख्य डिग्री के साथ-साथ चुनिंदा विषयों में माइनर डिग्री करने तथा मल्टीपल एंट्री व एग्जिट विकल्पों की सुविधा मिलेगी। विश्वविद्यालय के विस्तार एवं भावी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि गुरुग्राम-फरीदाबाद मार्ग पर बनने वाले विश्वविद्यालय के दूसरे कैंपस विस्तार के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। इस संबंध में वन विभाग से निर्माण गतिविधियों के लिए अनुमति मांगी गई है, जोकि प्रतीक्षित है।

उन्होंने कहा कि दूसरा कैंपस विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं का प्रमुख केंद्रबिंदु है, जिसमें विश्वविद्यालय की योजना नई प्रौद्योगिकी एवं इंटर-डिसिप्लनरी के पाठ्यक्रमों तथा शोध कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय द्वारा मौजूदा परिसर में लड़कों के पुराने छात्रावास के स्थान पर लगभग 800 विद्यार्थियों की क्षमता का नया बहुमंजिला छात्रावास बनाने की परियोजना पर काम कर रहा है।

NEWS CLIPPING:18.07.2023

PUNJAB KESARI

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर देना होगा ध्यान: बंडारू दत्तात्रेय

■ जेसी बोस विश्वविद्यालय के लोकार्पण समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

फरीदाबाद, 17 जुलाई

NEWS CLIPPING:18.07.2023

SATYAJAY TIMES

हरियाणा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर देना होगा ध्यान : बंडारू दत्तात्रेय

एनईपी-2020 के क्रियान्वयन में जे.सी. बोस विश्वविद्यालय निभाये अग्रणी भूमिका : मूलचंद शर्मा

फरीदाबाद, 17 जुलाई, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोडा। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह नीति विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार पाने की संभावनाओं को बढ़ावा देती है। इसलिए, हरियाणा के शिक्षण संस्थानों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

जे सी बोस विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल का स्वागत करते संस्थान के सदस्य, साथ हैं जिले केसभी विधायक व आई ए एस अधिकारी आनंद मोहन शरण। **छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।**

राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय आज जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में आयोजित लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय में लगभग 30 करोड़ रुपये लागत की दो छात्र-केन्द्रित परियोजनाओं का लोकार्पण किया। समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री श्री मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आनंद मोहन शरण ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय प्रदेश का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है और विश्वविद्यालय में नई परियोजनाएं विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को सुविधाजनक बनायेंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने हाल के वर्षों में ढांचागत सुविधाओं में विस्तार किया है, जोकि एक सराहनीय पहल है।

उन्होंने प्रसन्नता जताई कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, इनोवेशन और उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा औद्योगिक सहभागिता तथा सामाजिक सरोकार के लिए किये जा रहे कार्यों की भी सराहना की। राज्यपाल द्वारा जिन दो नई परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, उनमें से एक बहुमंजिला बालिका छात्रावास है, जिसका नाम भारत की पहली महिला इंजीनियर ए. ललिता के नाम पर रखा गया है।

इस बहुमंजिला भवन में 83 कमरें है, जिसमें छात्राओं के लिए आवासीय सुविधाओं के साथ-साथ चीफ हॉस्टल वार्डन कार्यालय, विजिटर रूम तथा अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। दूसरी परियोजना जलपान गृह एवं छात्र गतिविधि केन्द्र है, जिसका नाम भगवान श्री कृष्णा के नाम पर रखा गया है। इस बहुमंजिला भवन में कैंटीन, छात्रों के लिए मैस, छात्र क्लबों के लिए व्यवस्था के साथ-साथ छात्र पंजीकरण, छात्रवृत्ति एवं छात्रों से जुड़ी अन्य कल्याणकारी योजनाओं को एक छत के नीचे लाया गया है ताकि विश्वविद्यालय में छात्रों को सुविधाजनक व्यवस्था प्रदान की जा सके।

समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने राज्यपाल को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय द्वारा आगामी सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप तीन और चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम की शुरूआत की गई है, जिससे विद्यार्थियों को मुख्य डिग्री के साथ-साथ चुनिंदा विषयों में माइनर डिग्री करने तथा मल्टीपल एंट्री व एग्जिट विकल्पों की सुविधा मिलेगी। विश्वविद्यालय के विस्तार एवं भावी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि गुरूग्राम-फरीदाबाद मार्ग पर बनने वाले विश्वविद्यालय के दूसरे कैंपस विस्तार के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन निरंतर प्रयासरत है। इस संबंध में वन विभाग से निर्माण गतिविधियों के लिए अनुमति मांगी गई है, जोकि प्रतीक्षित है। उन्होंने कहा कि दूसरा कैंपस विश्वविद्यालय की भावी योजनाओं का प्रमुख केन्द्र बिन्दू है, जिसमें विश्वविद्यालय की योजना नई प्रौद्योगिकी एवं इंटर-डिसिप्लनरी के पाठ्यक्रमों तथा शोध कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय द्वारा मौजूदा परिसर में लड़कों के पुराने छात्रावास के स्थान पर लगभग 800 विद्यार्थियों की क्षमता का नया बहुमंजिला छात्रावास बनाने की परियोजना पर काम कर रहा है। बालिका शिक्षा एवं छात्र कल्याण को लेकर विश्वविद्यालय द्वारा की जा रही पहल पर कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने छात्राओं के लिए दाखिले में 25 प्रतिशत हॉरिजोंटल आरक्षण सुनिश्चित किया है।

NEWS CLIPPING:18.07.2023

PUNJAB KESARI (DELHI)

हरियाणा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर देना होगा ध्यान : राज्यपाल

एनईपी-2020 के क्रियान्वयन में विश्वविद्यालय निभाये अग्रणी भूमिका

- विश्वविद्यालय में 30 करोड़ रुपये लागत की दो छात्र-केन्द्रित परियोजनाओं का किया लोकार्पण

फरीदाबाद, (पंजाब केसरी)। हरियाणा के राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह नीति विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार पाने की संभावनाओं को बढ़ावा देती है। इसलिए, हरियाणा के शिक्षण संस्थानों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय आज जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में आयोजित लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय में लगभग 30 करोड़ रुपये लागत की दो छात्र-केन्द्रित परियोजनाओं का लोकार्पण किया। समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय प्रदेश का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है और विश्वविद्यालय में नई परियोजनाएं विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को सुविधाजनक बनायेंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने हाल के वर्षों में ढांचागत सुविधाओं में विस्तार किया है, जोकि एक सराहनीय पहल है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, इनोवेशन और उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा औद्योगिक सहभागिता तथा सामाजिक सरोकार के लिए किये जा रहे कार्यों की भी सराहना की।

राज्यपाल द्वारा जिन दो नई परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, उनमें से एक बहुमंजिला बालिका छात्रावास है, जिसका नाम भारत की पहली महिला इंजीनियर ए. ललिता के नाम पर रखा गया है। इस बहुमंजिला भवन में 83 कमरें है, जिसमें छात्राओं के लिए आवासीय सुविधाओं के साथ-साथ चीफ हॉस्टल वार्डन कार्यालय, विजिटर रूम तथा अन्य जरूरी व्यवस्थाओं का प्रावधान किया गया है। दूसरी परियोजना जलपान गृह एवं छात्र गतिविधि केन्द्र है, जिसका नाम भगवान श्री कृष्ण के नाम पर रखा गया है।

NEWS CLIPPING:18.07.2023

DESH ROJGAR

लोकार्पण

विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार पाने की संभावनाओं को बढ़ावा देती है

शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन पर देना होगा ध्यान: बंडारू

जेसीबोस विवि

- विश्वविद्यालय में 30 करोड़ रुपये की लागत की दो परियोजनाओं का किया लोकार्पण

देश रोजाना, फरीदाबाद

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह नीति विद्यार्थियों के कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार पाने की संभावनाओं को बढ़ावा देती है। इसलिए, हरियाणा के शिक्षण संस्थानों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में आयोजित लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय में लगभग 30 करोड़ रुपये लागत की दो छात्र-केन्द्रित परियोजनाओं का लोकार्पण किया। समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री मूलचंद शर्मा ने मुख्य अतिथि तथा अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

राज्यपाल द्वारा जिन दो नई परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया, उनमें से एक बहुमंजिला बालिका छात्रावास है, जिसका नाम भारत की पहली महिला इंजीनियर ए. ललिता के नाम पर रखा गया है।

कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने राज्यपाल को अवगत करवाया कि विश्वविद्यालय द्वारा आगामी सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के अनुरूप तीन और चार वर्षीय स्नातक डिग्री प्रोग्राम को शुरूआत की गई है, जिससे विद्यार्थियों को मुख्य डिग्री के साथ-साथ चुनिंदा विषयों में माइनर डिग्री करने तथा मल्टीपल एंट्री व एग्जिट विकल्पों की सुविधा मिलेगी।

नई परियोजनाएं विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को सुविधाजनक बनाएंगी

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जे.सी. बोस विश्वविद्यालय प्रदेश का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान है और विश्वविद्यालय में नई परियोजनाएं विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को सुविधाजनक बनाएंगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने हाल के वर्षों में ढांचागत सुविधाओं में विस्तार किया है, जोकि एक सराहनीय पहल है। उन्होंने प्रसन्नता जताई कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, इनोवेशन और उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा औद्योगिक साझेदारी तथा सामाजिक सरोकार के लिए किये जा रहे कार्यों की भी सराहना की।